रैगुलेशन्स बना दिए हैं, वे सारे रूल्स एंड रैगुलेशन्स मैं आपको बताऊंगा (व्यवधान) . . . . आपने कौन से किए थे . . . . . (व्यवधान) . . . . मेरा सवाल यह है कि जो रूल्स और रैगुलेशन्स बने, वे मेहरबानी करके जो हमारी रिपोर्ट आए, उसके आधार पर आपको तुरन्त सदन में मेज पर रख देने चाहिएं। सैकशन 14 में प्रोवीजन के मुताबिक आज 30 साल के बाद आपको इस बात का ख्याल आया—आपकी बड़ी कृपा है। इन्होंने देश का बिल्कुल बंटाधार कर दिया है, क्या इस प्रकार की डिफेंस विभाग से आशा की जा सकती थी। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि उन आफिसर्स को विदा करो। ये आफीसर्स ऐसे है जिन्होंने 20 साल तक हमारी कोई बात नहीं सुनी, कोई परवाह नहीं की और रूल्ज बनाते चले गए। पार्लियामेंन्ट ने कुछ पावर्स सबोर्डिनेट लेजिसलेशन कमेटी को दी है, लेकिन इन्होंने उसको नहीं माना। सारी पावर्स खुद ले ली, रूल्ज बनाते चले गये और यह स्थिति पैदा कर दी कि हम उन को एक्जामिन भी नहीं कर सकते। 20 साल में इन्होंने जो गोलमाल किया है, मौका मिलेगा तो उस को हम एक्जामिन करेंगे और आप को बतलायेंगे कि कितने गलत काम हुए हैं।

---

16.42 hrs.

## ANNOUNCEMENT RE. WELCOME TO CZECHOSLOVAK PARLIAMENTARY DELEGATION

MR. SPEAKER: Hon'ble Members,—At the outset I have to make an announcement.

On my own and on behalf of the Hon'ble Members of the House, I have great pleasure in welcoming His Excellency Mr. Alois Indra, Chairman of the Federal Assembly, Mademe Libuse Indrova and the Hon'ble Members of the Czechoslovak Parliamentary Delegation who are on a visit to India as our honoured quests. The other Hon'ble Members of the Delegation are:—

1. Mr. Frantisek Tesar, M. P.
2. Mr. Joseph Prchal, M. P.
3. Mrs. Antonie Bajerova, M. P.
4. Mrs. Majia Paulechova, M. P.
5 Mr. Juraj Turosik, M. P.

The Delegation arrived here this morning and will be in India for about a week. They are now seated in the Special Box. We wish them a happy and fruitful stay in our country. Through them we convey our greetings and best wishes to the Federal Assembly, Government and the freindly people of the Czechoslovak Socialist Rebublic.

---

## TERRITORIAL ARMY (AMENDMENT) BILL—*Contd.*

श्री चतुर्भुज (झालावाड़) : माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्य रक्षा मंत्री जी जो बिल लाये हैं उस का मैं वास्तव में स्वागत करता हूं। हमारे अन्य सभी साथियों ने भी इस का स्वागत किया है। यह बिल बड़े महत्व का बिल है। हमारे डागा साहब और अन्य साथियों ने जो भाषण दिए सभी ने इस बात को कहा कि यह बिल बड़ा महत्व रखता है। समय समय पर हमारे जितने भूतपूर्व रक्षा मंत्री हुए हैं, चाहे बाबू जगजीवन राम जी हो, बंसी लाल जी हो या चरण सिंह हों—सब ने टैरिटोरियल आर्मी की गौरवमय गाथा गाई है, इस के शौर्य का बखान किया है, लेकिन आज प्रश्न यह है कि इस के शौर्य और रंग-रूप का बखान करने के अलावा हम ने इस